وَمَا مُحَمَّدٌ إِلَّا رَسُولٌ قَدْ خَلَتْ مِن قَبْلِهِ ٱلرُّسُلُ ۚ أَفَإِيْن مَّاتَ
أَوْ قُتِلَ ٱنقَلَبْتُمْ عَلَىٰٓ أَعْقَٰبِكُمْ ۚ وَمَن يَنقَلِبْ عَلَىٰ عَقِبَيْهِ
فَلَن يَضُرَّ ٱللَّهَ شَيْـًٔا ۗ وَسَيَجْزِى ٱللَّهُ ٱلشَّٰكِرِينَ ﴿١٤٤﴾ وَمَا كَانَ
لِنَفْسٍ أَن تَمُوتَ إِلَّا بِإِذْنِ ٱللَّهِ كِتَٰبًا مُّؤَجَّلًا ۗ وَمَن يُرِدْ
ثَوَابَ ٱلدُّنْيَا نُؤْتِهِۦ مِنْهَا وَمَن يُرِدْ ثَوَابَ ٱلْءَاخِرَةِ نُؤْتِهِۦ مِنْهَا ۚ
وَسَنَجْزِى ٱلشَّٰكِرِينَ ﴿١٤٥﴾ وَكَأَيِّن مِّن نَّبِيٍّ قَٰتَلَ مَعَهُۥ رِبِّيُّونَ
كَثِيرٌ فَمَا وَهَنُوا۟ لِمَآ أَصَابَهُمْ فِى سَبِيلِ ٱللَّهِ وَمَا ضَعُفُوا۟ وَمَا
ٱسْتَكَانُوا۟ ۗ وَٱللَّهُ يُحِبُّ ٱلصَّٰبِرِينَ ﴿١٤٦﴾ وَمَا كَانَ قَوْلَهُمْ إِلَّآ أَن
قَالُوا۟ رَبَّنَا ٱغْفِرْ لَنَا ذُنُوبَنَا وَإِسْرَافَنَا فِىٓ أَمْرِنَا وَثَبِّتْ
أَقْدَامَنَا وَٱنصُرْنَا عَلَى ٱلْقَوْمِ ٱلْكَٰفِرِينَ ﴿١٤٧﴾ فَـَٔاتَىٰهُمُ ٱللَّهُ ثَوَابَ
ٱلدُّنْيَا وَحُسْنَ ثَوَابِ ٱلْءَاخِرَةِ ۗ وَٱللَّهُ يُحِبُّ ٱلْمُحْسِنِينَ ﴿١٤٨﴾

Theme	
Muhammad (pbuh) is no more than a Rasool of Allah. Prophets and their followers. Supplication of the believers.	मुहम्मद ﷺ अल्लाह तआला के रसूल ही हैं। अम्बियाؑ और उनके पैरौकार। अहल-ए-ईमान की दुआ।
Tarjumani	
Muhammad is no more than a Rasool of Allah, like the Rasools that passed away before him. If he dies or is killed, will you turn back on your heels (become unbelievers)? He who turns back on his heels will do no harm to Allah; soon Allah will	मुहम्मद इसके सिवा कुछ नहीं कि बस एक रसूल हैं, उनसे पहले और रसूल भी गुज़र चुके हैं, फिर क्या अगर वे मर जाएँ या कत्ल कर दिए जाएँ तो तुम लोग उलटे पाँव फिर जाओगे? याद रखो! जो उल्टा फिरेगा वह अल्लाह का कुछ नुकसान न करेगा, अलबत्ता जो अल्लाह के शुक्रगुज़ार बन्दे

reward the thankful. one dies without the permission of Allah. The term of every life is fixed. He who desires the reward in this world shall be given it here, and he who desires the reward in the hereafter shall be given it there. Soon We will reward the thankful. In the past, many Prophets have fought, in the Way of Allah, with a large number of godly people. They did not lose heart during the adversities that befell them in the path of Allah; they neither showed weakness nor submitted to falsehood. Allah loves the steadfast. Their only words were, "Our Rabb! Forgive our sins and our excesses; establish our feet firmly and give us victory over the unbelievers. Therefore, Allah gave them the reward in this world and also an excellent reward awaits them in the Hereafter. Allah loves such righteous who are good to others.	बनकर रहेंगे उन्हें वह उसकी जज़ा देगा	कोई ज़ी-रूह अल्लाह के इज़्न के बगैर नहीं मर सकता	मौत का वक़्त तो लिखा हुआ है	जो शख्स सवाबे-दुनिया के इरादे से काम करेगा उसको हम दुनिया ही में से देंगे, और जो सवाबे-आख़िरत के इरादे से काम करेगा वह आख़िरत का सवाब पाएगा, और शुक्र करनेवालों को हम उनकी जज़ा ज़रूर अता करेंगे	इससे पहले कितने ही नबी ऐसे गुज़र चुके हैं जिनके साथ मिलकर बहुत-से खुदापरस्तों ने जंग की	अल्लाह की राह में जो मुसीबतें उनपर पड़ी उनसे वे दिलशिकस्ता नहीं हुए, उन्होंने कमज़ोरी नहीं दिखाई, वे (बातिल के आगे) सरनिगूँ नहीं हुए	ऐसे ही साबिरों को अल्लाह पसन्द करता है	उनकी दुआ बस यह थी कि "ऐ हमारे रब, हमारी गलतियों और कोताहियों से दरगुज़र फरमा और हमारे काम में तेरे हुदूद से जो कुछ तजावुज़ हो गया हो उसे माफ़ कर दे, हमारे क़दम जमा और काफ़िरों के मुक़ाबले में हमारी मदद कर |" आख़िरकार अल्लाह ने उनको दुनिया का सवाब भी दिया और उससे बेहतर सवाबे-आख़िरत भी अता किया	अल्लाह को ऐसे ही नेक-अमल लोग पसन्द हैं	
Tafsir	